अनुक्रमांक ... .

नाम ....

102

302(ZN)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - 'क'

1. (क) 'अष्टयाम' कृति के लेखक हैं: [1]

(i) गोकुलनाथ

(ii) विट्ठलनाथ

(iii) नाभादास

(iv) प्रियादास

(ख) धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास है : [1]

(i) 'परन्तु'

(ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

(iii) 'मुक्तिबोध'

(iv) 'नदी के द्वीप'

(ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक नहीं है: [1]

(i) 'करुणालय'

(ii) 'कल्याणी परिणय'

(iii) 'सज्जन'

(iv) 'भारत सौभाग्य'

(घ) इनमें से 'आत्मकथा' विधा की रचना है: [1]

(i) 'अर्द्धकथा'

(ii) 'परती परिकथा'

(iii) 'आवारा मसीहा'

(iv) अजय की डायरी'

(ङ) यात्रावृत्त-सम्बन्धी गद्यकृति 'अरे यायावर! रहेगा याद' के लेखक है : [1]

(i) केदारनाथ अग्रवाल

(ii) मोहन राकेश

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) हरिशंकर परसाई

2. (क) इनमें से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार मिला है? [1]

(i) 'लोकायतन'

(ii) 'अग्निरेखा'

(iii) 'कितनी नावों में कितनी बार'

(iv) 'रसवन्ती'

(ख) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है: [1]

(i) सन् 1957

(ii) सन् 1959

(iii) सन् 1960

(iv) सन् 1961

(ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' कृति के रचयिता है: [1]

(i) सुमित्रानंदन पन्त

(ii) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(iii) सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'

(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(घ) किस महाकाव्यात्मक कृति में बारह सर्ग हैं ? [1]

(i) 'कामायनी'

(ii) 'प्रियप्रवास'

(iii) 'साकेत'

(iv) 'वैदेही वनवास'

(ङ) 'छायावाद' की प्रमुख विशेषता है: [1]

(i) इतिवृत्तात्मकता

(ii) शृंगार रस की प्रधानता

(iii) युद्धों का सजीव वर्णन

(iv) स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

अशोक वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है । प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी । इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस मनोरम वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तबकों को देखता हूँ तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है । राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया करती थीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) अशोक वृक्ष की पूजा किसकी देन है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) अशोक वृक्ष को कौन पुष्पित किया करती थीं ?

(v) 'अधिष्ठाता' और 'स्तवक' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता ; वरन् नये पारिभाषिक शब्दों की एवं नूतन शैली-प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है; क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है। नये शब्द और नये प्रयोगों का पाठ्यपुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है। इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जायेगी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) भाषा में आधुनिकता कैसे आती है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iv) भाषा का प्राणतत्त्व क्या है?

(v) 'नूतन' तथा 'कार्यकलाप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

'कौन हो तुम वसन्त के दूत
        बिरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपला की रेख
        तपन में शीतल मन्द बयार!'
लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति
        मिटाता उत्कंठा सविशेष;
दे रहा हो कोकिल सानन्द
        सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश - |

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद्यांश में किस-किस के बीच संवाद हो रहा है?

(iv) 'चपला' तथा 'उत्कंठा' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(v) 'आगन्तुक व्यक्ति' से किसकी ओर संकेत किया गया है।

अथवा

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ी - वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में,
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के;
काल- सूर्य के रथ के

पहियों के ज्यों अरे टूटकर

बिखर गये हों दसों दिशा में !

<u>कुछ क्षण का वह उदय अस्त !</u>

<u>केवल एक प्रज्वलित क्षण की</u>

<u>दृश्य सोख लेनेवाली दोपहरी ।</u>

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'काल- सूर्य के रथ के इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(iv) दस दिशाएँ कौन-कौन सी हैं?

(v) वह 'सूरज' किस दिशा में उदित हुआ था?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

(i) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यकृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

(i) सुमित्रानंदन पन्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। [5]

अथवा

'बहादुर' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा: 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (शब्द-सीमा अधिकतम: 80 शब्द) [5]

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायाया: कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काक: उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते' इत्याह ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

[2+5=7]

काव्यशास्त्र - विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति ।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों/मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

(i) ईद का चाँद होना

(ii) कागजी घोड़े दौड़ाना

(iii) ऊँट के मुँह में जीरा

(iv) का बरखा जब कृषी सुखाने

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'कवीन्दुम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) कवी + इन्दुम्

(B) कवीन् + दुम्

(C) कवि + इन्दुम्

(D) क + विन्दुम्

(ii) 'मन्वन्तरे' में सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) मनु + अन्तरे

(B) मन्व + अन्तरे

(C) मनू + अन्तरे

(D) मा + अनन्तरे

(iii) 'पवित्रम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(A) पव + इत्रम्

(C) पवि + त्रम्

(B) पवि + इत्रम्

(D) पो + इत्रम

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनो:' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(A) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(C) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(D) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(ii) 'नामभ्याम्' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(A) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) अशक्त - आसक्त [1]

(A) असमर्थ - शक्तिमान्

(B) शक्तिसम्पन्न - आकर्षक

(C) शक्तिहीन - मोहित

(D) समर्थ - कुसंगति

(ii) भवन - भुवन [1]

(A) निकेतन - जंगल

(B) घर-संसार

(C) घना जंगल - लोक

(D) सृष्टि - आयतन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) चपला

(ii) पयोधर

(iii) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'सही' शब्द का चयन करके लिखिए:

(i) बहुत कम बोलनेवाला - [1]

(A) वाचाल

(B) अमितभाषी

(C) मितभाषी

(D) बहुभाषी

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला - [1]

(A) जिज्ञासा

(B) जिज्ञासु

(C) चिकीर्षु

(D) इच्छुक

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) वह अपनी ताकत के बल पर खड़ा है।

(ii) इसमें समस्त प्राणिमात्र का कल्याण है।

(iii) आपके साथ उचित न्याय किया जायेगा ।

(iv) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण लिखकर एक उदाहरण दीजिए । [1+1=2]

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलियाँ' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. अपने नगर की सफाई के लिए अध्यक्ष, नगर पंचायत को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए । [2+4=8]

अथवा

पुस्तक-व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने हेतु अपने निकटस्थ किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को आवेदन- पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:

[2+7=9]

(i) भारतीय जीवन में व्याप्त कुरीतियाँ

(ii) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

(iii) प्राकृतिक आपदाएँ: कारण और निवारण

(iv) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता